THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI DALBIR SINGH): (a) and (b) No data is available since no such survey has been condu ted by the Central Government or by the State Governments during the years 1984, 1985 or 1986.

(c) Yes, sir, Massive relocation of slums is no more the policy of the Government/The emphasis now is on improvement of environment in slum areas, because it avoids social and economic uproo-ting and can be done at comparatively lesser costs.

(d) Whether the Government seeks to improve livability in existing slums, it aims at restricting slum population by developing small and medium towns under IDSMT scheme to control migration to major cities.

Central Assistance to Tobacco Growers of Andhra Pradesh

1136. SHRl R. SAMBASIVA RAO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of tobacco barns were destroyed due to flood in Andhra Pradesh during the month of August, 1986; and

(b) if so what kind of assistance Government propose to extend to the tobacco growers in Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRl YOGENDRA MAKWANA): (a) and (b) According to the Memorandum seeking Central assistance for flood relief, the Government of Andhra Pradesh had requested for Central assistance of Rs. 0.50 lakhs towards subsidy on repair of 24 tobacco barns belonging to small and marginal farmers. Based on the report of the Central Team and recommendations of the High Level Committee on Relief, a sum of Rs. 0.50 lakhs has been approved for this item.

कृषि मंत्रालय में हिन्दी का प्रयोग

1137. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि न तो कृषि मंत्रालय और उसके सम्बद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों ने और न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद या अन्य संस्थानों ने राजभाषा अधिनियम के उपबंधों तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी किये गये वार्षिक कार्यक्रम या इसके उपबंधों को लागू किया है, यहां तक कि उनके द्वारा अधिनियम की धारा 3(3) का भी अनुपालन नहीं किया जा रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि यद्यपि अब टेलीप्रिन्टर, टेलेक्स, कम्प्यूटर आदि यांत्रिक तरीके राजभाषा में प्रचुर संख्या में उपलब्ध हैं, तथापि मंत्रालय या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में देवनागरी टंकण यंत्रों, टंकणों और आशुलिपिकों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, यदि हां, तो इस संबंध में कमी को दूर करने के लिये क्या-क्या प्रस्ताव है ; और

(ग) इस मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन पुस्तकालयों में अंग्रेजी और हिन्दी की पुस्तकों तथा पत्रिकाओं की क्या स्थिति है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) और (ख) जी नहीं।

(ग) इस मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पुस्तकालयों में अंग्रेजी और हिन्दी की पुस्तकों तथा पत्रिकाओं की स्थिति नीचे दी गई है :—